भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2062 का उत्तर

कृष्णानगर-करीमपुर-डोमकल (पश्चिम बंगाल) रेलवे लाइन

2062. श्री अबू ताहेर खान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को व्यापार, पर्यटन और अन्य कारणों से कृष्णानगर-करीमपुर-डोमकल रेल लाइन के लिए यात्रियों की लंबे समय से लंबित मांग की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इसके लिए कोई परिव्यय निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का इस लाइन के निर्माण को कार्यान्वित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने इस लाइन की अनुपलब्धता के कारण व्यापार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): कृष्णानगर-करीमपुर (86 कि.मी.) नई रेल लाइन परियोजना का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। बहरहाल, कम यातायात अनुमान के कारण परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹4,380 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹13,955 करोड़ (3 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 67,991 करोड़ रुपए की लागत से कुल 4,402 किलोमीटर लंबाई की 42 परियोजनाएं (12 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं, जिनमें से 1,702 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 23,410 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया जा चुका है। इसका सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइनें	12	1,032	337	11,368
आमान परिवर्तन	04	1,201	854	3,673
दोहरीकरण/बहुपथन	26	2,169	511	8,370
कुल	42	4,402	1,702	23,410

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन और रामपुरहाट-मुरारई तीसरी लाइन (159 किलोमीटर)	1500
2	अजीमगंज-मुर्शिदाबाद नई लाइन (7 किलोमीटर)	164
3	बर्धमान-कटवा आमान परिवर्तन (52 किलोमीटर)	696
4	अहमदपुर-कटवा आमान परिवर्तन (52 किलोमीटर)	440
5	पाँशकुड़ा-खड़गपुर दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	408
6	लालगोला-जियागंज दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	124

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
7	कृष्णनगर-बेथुयाडहरी दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	152
8	नबद्वीपधाम-पाटुली दोहरीकरण (22 किलोमीटर)	170
9	बेथुयाडहरी-प्लासी दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	132
10	अम्बिका कालना-नबद्वीपधाम दोहरीकरण (23 किलोमीटर)	145
11	नलहाटी-सागरदिघि दोहरीकरण (26 किलोमीटर)	193
12	तमलुक जंक्शन- बासुलिया सुताहाटा दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	245
13	प्लासी-जियागंज दोहरीकरण (54 किलोमीटर)	234
14	अजीमगंज-मणिग्राम दोहरीकरण (21 किलोमीटर)	150
15	न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	330
16	न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	445
17	सैंथिया-तारापीठ तीसरी लाइन (22 किलोमीटर)	186
18	आमबाड़ी फालाकाटा - न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण (37 किलोमीटर)	843
19	बैंडेल-बोइंची-तीसरी लाइन (31 किलोमीटर)	546
20	बोइंची-शक्तिगढ़ तीसरी लाइन (26 किलोमीटर)	424
21	बाज़ार सौ-अजीमगंज जंक्शन दोहरीकरण (42 किलोमीटर)	343
22	सागरदिघी-मालदा टाउन दोहरीकरण (25 किलोमीटर)	248
23	खड़गपुर-नारायणगढ़ तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	270
24	मनिग्राम-निमतिता दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	713
25	पुरुलिया-कोटशिला दोहरीकरण (36 किलोमीटर)	393

पश्चिम बंगाल में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	चांडिल-पुरूलिया-अनारा-दामोदर तीसरी लाइन (121 किलोमीटर)	1932
2	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन (83 किलोमीटर)	1542
3	सिवोक-रंगपो नई लाइन (44 किलोमीटर)	11973
4	बालुरघाट-हिली नई लाइन (30 किलोमीटर)	1209
5	कालियागंज-बुनियादपुर नई लाइन (33 किलोमीटर)	1147
6	कटिहार-कुमेदपुर और कटिहार-मुकुरिया दोहरीकरण (65 किलोमीटर)	943

7	खड़गपुर-आदित्यपुर तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	3250
8	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 किलोमीटर)	2136
9	कालीपहाड़ी-बख्तरनगर 5वीं लाइन (18 किलोमीटर)	350
10	डानकुनि-बाल्टीकुरी तीसरी और चौथी लाइन (18 किलोमीटर)	429
11	मुरारई-बड़हरवा तीसरी लाइन (49 किलोमीटर)	935
12	राणाघाट-कृष्णानगर सिटी तीसरी लाइन (26 किलोमीटर)	446
13	अलुआबाड़ी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन (57 किलोमीटर)	1630

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

कुल अपेक्षित भूमि	4,662 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	1273 हेक्टेयर (27%)
अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि	3,389 हेक्टेयर (73%)

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण किए जाने हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)	राज्य को भुगतान की गई राशि (करोड़ रुपए में)
1.	चांडिल-अनारा-बर्नपुर तीसरी लाइन	8	0	8	0
2.	नबद्वीपघाट-नबद्वीपधाम नई लाइन परियोजना	107	0	107	50
3.	सैंथिया पर बाईपास	22	0	22	0
4.	नैहाटी-रानाघाट तीसरी लाइन	13	0	13	1.3
5.	सिवोक-रंगपो नई लाइन	135	128	7	7.98
6.	कलियागंज-बुनियादपुर नई लाइन	168	0	168	0

7.	केनिंग-बागनखली नई लाइन	18	0	18	0
8.	आद्रा-सांका-रुकनी दोहरीकरण	5	0	5	0
9.	कालीपहाड़ी-बख्तररनगर पांचवीं लाइन	15	0	15	0
10.	अनारा में रुकनी से अनारा स्टेशन तक रेल फ्लाईओवर	35	0	35	0
11.	गौरीनाथधाम छोर से पुरुलिया तक रेल फ्लाईओवर	34	0	34	0
12.	चंदनपुर-शक्तिगढ़ चौथी लाइन	5	0	5	0

इसके अलावा, तारकेश्वर-विष्णुपुर (83 कि.मी.) नई लाइन परियोजना 2016 से पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के असहयोग के कारण रुकी हुई है। हुगली जिले में "भाबादिघी" तालाब के पास निकट लगभग 900 मीटर लंबाई में स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कार्य रोक दिया गया था। माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता ने मार्च, 2025 में पश्चिम बंगाल राज्य सरकार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने और पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया ताकि रेलवे 3 माह के भीतर कार्य शुरू कर सके।

देशप्राण - नंदीग्राम (18.5 किलोमीटर) लाइन को 2009-10 में ₹121.44 करोड़ की लागत से स्वीकृति दी गई थी। पूरी परियोजना पूर्वी मिदनापुर जिले में आती है। भूमि अधिग्रहण में समस्याओं के कारण परियोजना का कार्य शुरू नहीं किया जा सका और इसे स्थगित रखा गया। अप्रैल 2023 में इस कार्य को पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया। बहरहाल, देशप्राण से 5.0 कि.मी. तक भूमि अधिग्रहण के लिए सर्वेक्षण कानून-व्यवस्था की समस्याओं के कारण पूरा नहीं किया जा सका। चूंकि देशप्राण कनेक्टिंग स्टेशन है, इसलिए परियोजना को कमीशन करने के लिए इस भूमि का अधिग्रहण अपेक्षित है।

उपर्युक्त परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों के साथ कई बैठकें आयोजित की गई हैं।

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, बहरहाल इनकी सफलता पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघी जनोपयोगी साधनों का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं को पूरा करने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******